हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 09 | श्रावस्ती, रविवार 15 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

भारत-चीन के रिश्तों में बड़ा सुधार, फिर से शुरू होंगी सीधी हवाई सेवाएं आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे दोनों देश

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग के साथ बातचीत की और इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा एवं जन–केंद्रित सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए संबंधों को ''स्थिर और पुनःनिर्मित'' करने पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बीती गुरुवार को हुई इस बैठक के बारे में बताया है कि दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू करने के लिए आवश्यक उपायों में तेजी लाने पर भी सहमति जताई। मिसरी ने इससे पहले 27 जनवरी को बीजिंग में सुन के साथ बातचीत की थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सुन 12–13 जून को भारत की यात्रा पर यहां आए हैं। हम आपको बता दें कि सुन वेइदोंग भारत में चीन के पूर्व राजदूत और दक्षिण एशिया मामलों के लिए बीजिंग के प्रभारी हैं। अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले और मई में भारत–पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बाद, यह चीन के किसी उच्चस्तरीय अधिकारी की पहली भारत यात्रा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान ''दोनों पक्षों ने 27 जनवरी, 2025 को बीजिंग में अपनी पिछली बैठक के बाद से भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों में हुए विकास की समीक्षा की और लोगों को ध्यान में रखते हुए संबंधों को स्थिर बनाने और उनका पुनर्निर्माण करने पर सहमति जताई।'' विदेश सचिव ने इस साल कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने में चीनी पक्ष के सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने सीमा पार नदियों को लेकर सहयोग के लिए विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र की अप्रैल में बैठक के दौरान हुई चर्चा का उल्लेख किया और इस पर प्रगति की उम्मीद जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने संबंधी कदमों में तेजी लाने पर सहमति जताई। विदेश सचिव ने एक नए हवाई सेवा समझौते के जल्द ही संपन्न होने की उम्मीद जताई।'' भारत और चीन ने वीजा सुविधा और मीडिया एवं 'थिंक–टैंक' के बीच आदान–प्रदान के लिए ''व्यावहारिक कदम'' उठाने पर भी सहमति जताई। बयान में कहा गया कि ''दोनों पक्षों ने भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के तहत नियोजित गतिविधियों का सकारात्मक तरीके से मूल्यांकन किया और इन्हें पूरा करने पर सहमति जताई। हम आपको यह भी बता दें कि चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भारत के साथ बातचीत का संकेत देते हुए कहा है कि वह औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर रखने के लिए संबंधित देशों के साथ बातचीत और सहयोग बढ़ाने को तैयार है। हम आपको बता दें कि चीन ने प्रमुख दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर हाल में प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस वजह से भारत सहित कई देशों में वाहन एवं सेमीकंडक्टर चिप के निर्माण में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है। इस बारे में चीनी विदेश मंत्रालय में प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, ''हम वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता को संयुक्त रूप से बनाए रखने के लिए संबंधित देशों और क्षेत्रों के साथ बातचीत और सहयोग बढ़ाने को तैयार हैं। हम आपको बता दें कि चीन के पास दुर्लभ पृथ्वी खनिजों का एकाधिकार है लिहाजा निर्यात पर पाबंदी लगाने से वाहन एवं अन्य उद्योगों में दुर्लभ धातुओं की कमी हो गई है।

विजय रूपाणी के शव की पहचान की कोशिशें, बेटा ऋषभ पहुंचा भारत , जल्द आएगी डीएनए रिपोर्ट

अहमदाबाद (एजेन्सी) गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए भयावह विमान हादसे के बाद पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। इस हादसे में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–171 क्रैश हो गई, जिसमें 241 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। विमान जिस तरह दुर्घटनाग्रस्त हुआ और आग का शिकार बना, उसके चलते शवों की हालत इतनी खराब हो गई है कि अब उनकी पहचान केवल डीएनए टेस्ट के माध्यम से ही संभव हो पा रही है। हादसे के दो दिन बाद भी अधिकांश शवों की पहचान नहीं हो सकी है। डॉक्टरों और फोरेंसिक विशेषज्ञों के अनुसार, आग के कारण शव इस कदर जल चुके हैं कि चेहरे और शरीर की कोई सामान्य पहचान बाकी नहीं रही। ऐसे में अब हर मृतक की पहचान डीएनए सैंपल से ही की जा रही है। सिविल अस्पताल, अहमदाबाद में पूरे सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा गया है, जहां शवों का पोस्टमॉर्टम और डीएनए सैंपलिंग की प्रक्रिया तेजी से जारी है। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मृतकों के परिजन और अधिकृत मेडिकल स्टाफ के अलावा किसी को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई है। इस हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन की पुष्टि के लिए उनके बेटे ऋषभ रूपाणी शनिवार सुबह भारत पहुंचे। वह गांधीनगर से बीजे मेडिकल कॉलेज के कासटी भवन में डीएनए सैंपल देने पहुंचेंगे। सूत्रों के अनुसार, वह सुबह 11 बजे तक अस्पताल आ सकते हैं, जिससे उनके पिता के शव की पहचान की प्रक्रिया पूरी हो सके। डीएनए सैंपलिंग से रिपोर्ट तैयार होने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन मेडिकल अधिकारियों का कहना है कि प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक केवल 7 शवों की पहचान हो पाई है, जिनके परिवारों को उनके शव सौंप दिए गए हैं। शेष शवों की पहचान अभी प्रक्रिया में है। सरकार ने विशेष निर्देश जारी किए हैं कि प्रत्येक मृतक के परिवार को सही जानकारी और समय पर शव सौंपा जाए।

तीन देशों की यात्रा पर जायेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार से तीन देशों की यात्रा पर निकलेंगे, जिसमें कनाडा की यात्रा भी शामिल है, जहां वे जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सरकार नई दिल्ली और ओटावा के बीच संबंधों को फिर से बेहतर बनाने के लिए रास्ते तलाश रही है। प्रधानमंत्री भूमध्यसागरीय देशों साइप्रस और क्रोएशिया का भी दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, वह कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और साइप्रस तथा क्रोएशिया भी जाएंगे। मंत्रालय ने कहा, "यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी, जो द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित होगी।" मोदी सबसे पहले, साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के निमंत्रण पर 15–16 जून को साइप्रस जाएंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "यह दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा होगी।

28 लाख श्रद्धालुओं ने किए केदारनाथ के दर्शन

उत्तराखण्ड (एजेन्सी)। चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। 45 दिन की यात्रा में अब तक 28 लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के अलावा हेमकुंड साहिब में दर्शन कर चुके हैं। इसमें केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों का आंकड़ा 10 लाख पार हो गया है। प्रतिदिन 70 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। इस बार चारधाम यात्रा का आगाज 30 अप्रैल से हुआ। मौसम की चुनौतियों के बाद भी चारों धामों व हेमकुंड साहिब में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम की यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। खराब मौसम भी श्रद्धालुओं की परीक्षा ले रहा हैं। इसके बावजूद आस्था के कदम थम नहीं रहे हैं।

दिल्ली में जल्द ही बदलेगा का मौसम

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली में रविवार को आंधी–तूफान और तेज हवाएं चलने की संभावना है तथा अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक है। दिल्ली में गुरुवार इस मौसम का सबसे गर्म दिन रहा, जब श्महसूस होने वालाश तापमान या हीट इंडेक्स 54.4 डिग्री सेल्सियस को छू गया। चूंकि शहर के कई हिस्सों में लगातार चौथे दिन लू चली, मौसम विज्ञानी, जिन्हें शुक्रवार से राहत की उम्मीद थी, ने अब उस दिन लू चलने की आशंका जताई है, साथ ही गरज के साथ बारिश होने का भी अनुमान लगाया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश: पटना की मनीषा थापा ने भी गंवाई जान , सेंट जेवियर्स कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा

पटना (एजेन्सी) गुजरात के अहमदाबाद में हुए दुर्भाग्यपूर्ण एयर इंडिया विमान हादसे में बिहार के पटना की रहनेवाली, विमान की क्रू मेंबर मनीषा थापा का निधन हो गया। दिन–रात मेहनत करके अपना सपना पूरा करने निकली मनीषा थापा का परिवार इस वक्त काफी पीड़ा से गुजर रहा है।

बता दें मनीषा मूल रूप से नेपाल के विराटनगर की रहने वाली थीं, लेकिन उनका जन्म पटना में हुआ था। उन्होंने पटना के सेंट जेवियर्स कॉलेज में 2014 से 2017 तक पढ़ाई की और अपनी प्रतिभा से सभी का दिल जीता। मनीषा के निधन पर सेंट जेवियर्स कॉलेज में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उन्हें नम आंखों से याद किया। बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग की प्रमुख (एचओडी) कल्पना कुमारी ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, मनीषा जेवियर्स परिवार की एक अनमोल बेटी थी। वह न केवल एक होनहार छात्रा थीं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी थीं। उनकी पढ़ाई के प्रति लगन, सहपाठियों के साथ सहयोग और हर गतिविधि में उत्साह शिक्षकों के लिए प्रेरणा था। कल्पना कुमारी ने बताया कि मनीषा क्लास रेप्रेजेंटेटिव थीं और कॉलेज की हर गतिविधि में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेती थीं। वह न सिर्फ अपनी पढ़ाई में अव्वल थीं, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करती थीं। उनकी कॉपी चेक करने में मजा आता था। वह हमेशा सकारात्मक रहती थीं। तीन साल में उन्होंने बहुत प्रगति की। हमें यकीन था कि वह जिंदगी में बहुत आगे जाएंगी, लेकिन इस हादसे ने सब कुछ छीन लिया। यह जेवियर्स परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मनीषा के क्लासमेट एल्विन ने भी उन्हें याद करते हुए कहा, मनीषा के बिना सब सूना है। वह हमेशा सबको हंसाती थीं और किसी को दुखी नहीं देख सकती थीं। पढ़ाई हो या कॉलेज की गतिविधियां, वह हर चीज में आगे रहती थीं। हम अभी भी इस सदमे से उबर नहीं पाए हैं। एल्विन के मुताबिक, मनीषा ने कॉलेज के बाद अपने सपनों को पंख दिए और एयर होस्टेस के रूप में करियर शुरू

किया। कुछ समय पहले वह कॉलेज आई थीं और अपनी उपलब्धियां साझा कर शिक्षकों को मिठाई खिलाई थीं। अचानक उनके जाने से कॉलेज में शोक की लहर है। शिक्षक और छात्र उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भगवान से उनके माता–पिता को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना कर रहे हैं। मनीषा भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें और प्रेरणा सेंट जेवियर्स कॉलेज में हमेशा जिंदा रहेंगी।

माफिया अड्डा बन रहे हैं प्राइवेट स्कूल : आप

नई दिल्ली (एजेन्सी) आम आदमी पार्टी (आप) ने निजी स्कूलों पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की सरकार में प्राइवेट स्कूल माफिया के अड्डे बनते जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी (आप)के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने 'एक्स' पर आज कहा, श्दिल्ली में छोटे–छोटे मासूम बच्चों को छुट्टी के बाद स्कूल में रोककर रखने की सजा दी गई क्योंकि उनके माता–पिता स्कूल वैन के नाम पर प्राइवेट स्कूल की लूट से बचाना चाहते हैं और खुद उन्हें स्कूल छोड़ने आते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल शिक्षा के मंदिर नहीं, माफिया के अड्डे बनते जा रहे हैं। बच्चों को डराकर, अभिभावकों को धमकाकर भाजपा कौन –सी क्रांति लाना चाहती है? दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने एक स्कूल का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर कहा, एक प्राइवेट स्कूल पैसों की होड़ में बच्चों को कमरे में बंद कर रहा है। कहाँ हैं शिक्षा मंत्री आशीष सूद? कहाँ हैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता? क्या आप इस स्कूल पर कार्रवाई करेंगे? शर्म लिहाज या मानवता नाम की कोई चीज है दिल्ली की इस भाजपा सरकार में।

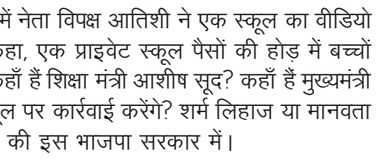

इजराइल पर दनादन मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है ईरान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। शनिवार को तड़के ईरान और इजराइल ने एक–दूसरे पर जोरदार मिसाइल और हवाई हमले किये और जिस तरह से अब इस लड़ाई में अमेरिका ने भी सीधा दखल दे दिया है उससे क्षेत्रीय युद्ध के फैलने का खतरा बढ़ गया है। हम आपको बता दें कि इजराइल ने अपने दुश्मन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला शुरू किया है ताकि उसे परमाणु हथियार विकसित करने से रोका जा सके तो वहीं ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में इजराइल में दनादन मिसाइल हमले किये हैं। बताया जा रहा है कि ईरानी हमले में तीन इजराइली मारे गये हैं और कुछ लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इजराइल के कई शहरों में जिनमें तेल अवीव और यरुशलम भी शामिल हैं, वहां हवाई हमले के सायरन बजने लगे। लोग बंकरों की ओर भागे, जबकि ईरानी मिसाइलों की लहरें आकाश में दिखाई दीं और इजराइली इंटरसेप्टर उन्हें रोकने के लिए उड़ान भरते नजर आए। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात के दो हमलों के बाद ईरान ने आज हमलों की नई लहरें शुरू कीं। इनमें से एक हमला आज तड़के इजराइल के व्यावसायिक केंद्र तेल अवीव पर हुआ, जिसकी गूंज यरुशलम तक सुनी गई। ये हमले इजराइल द्वारा किए गए उन हमलों की प्रतिक्रिया में थे, जिनमें ईरानी कमांडरों, परमाणु वैज्ञानिकों, सैन्य ठिकानों और परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया था। इजराइल की एम्बुलेंस सेवा के अनुसार, एक मिसाइल के घरों के पास गिरने से एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। टीवी पर देखा गया कि बचाव दल तेल अवीव के बाहर स्थित रिषोन लेजियोन शहर में नष्ट हुए अपार्टमेंटों के मलबे में जीवित लोगों की तलाश कर रहे थे। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि ईरानी नेतृत्व ने नागरिकों पर हमला करके ष्लाल रेखा पार कर दी हैष और इसके लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगीष। बताया जा रहा है कि ईरान समर्थित हूथी मिलिशिया द्वारा यमन से दागी गई एक मिसाइल ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में पांच फिलिस्तीनियों को मार डाला है जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। यह जानकारी फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट ने दी है। उधर, ईरान की राजधानी तेहरान में तड़के कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। बताया जा रहा है कि दो मिसाइलें तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे से टकराईं और वहाँ आग लगने की भी सूचना मिली। यह हवाई अड्डा प्रमुख ईरानी सैन्य ठिकानों के पास स्थित है और यहाँ लड़ाकू विमान और परिवहन विमान तैनात हैं। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने बताया है कि इजराइल के हमलों में 78 लोग मारे गए हैं, जिनमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं और 320 से अधिक लोग घायल हुए हैं,।

कांग्रेस का मोदी पर हमला, ट्रंप ने १३ बार कहा युद्धविराम, आप कब बोलेंगे?

नयी दिल्ली (एजेन्सी) कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा पिछले 34 दिनों में 13 बार किया है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बारे में कब बोलेंगे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''आज राष्ट्रपति ट्रंप 79 साल के हो गए हैं। 10 मई, 2025 और 13 जून, 2025 के बीच 34 दिनों में, उन्होंने तीन अलग–अलग देशों में 13 अलग–अलग मौकों पर सार्वजनिक रूप से ढिंढोरा पीटा कि उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार के मुद्दे का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया है। निस्संदेह, उन्होंने दोनों देशों की समान रूप से प्रशंसा की। उन्होंने सवाल किया, ''नरेन्द्र मोदी, आप कब बोलेंगे? गत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने छह मई की देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित कई आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ और 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान के बीच 'संघर्षविराम होने की सूचना दी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया कि इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं थी और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) द्वारा अनुरोध किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकी गई है।

अमित शाह ने ली भाजपा विधायकों-सांसदों की क्लास

पचमढ़ी (एजेन्सी) एमपी के हिल स्टेशन पचमढ़ी में आज से बीजेपी विधायकों और सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत हो गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने सांसदों–विधायकों को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद हैं। तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी के रूप में मध्यप्रदेश सरकार के सभी मंत्री–विधायक, लोकसभा–राज्यसभा सांसद शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे तीन दिन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। यानी, अगले तीन दिन पूरी सरकार पचमढ़ी से चलेगी। इससे पहले पचमढ़ी के कैंट क्षेत्र में कब्रिस्तान के बगल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक एल मुरुगन, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने भी विधायकों–सांसदों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। पार्क का नाम अटल वाटिका रखा गया है।

भारत की चिंताएं जायज, वह इजराइल-ईरान तनाव को कम करने में भूमिका निभा सकता है : इजराइली राजदूत

नयी दिल्ली (एजेन्सी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने आशा व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि भारत में इजराइल–ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता करने की क्षमता है। अजार ने 'पीटीआई वीडियो से कहा,''भारत के पास दोनों पक्षों के साथ बातचीत के रास्ते हैं। यह वास्तव में भूमिका (मध्यस्थता में) निभा सकता है। हम भारत के साथ इस ईमानदार बातचीत से खुश हैं जो हमारा बहुत अच्छा मित्र है... हम आपकी चिंताओं को ध्यान से सुनते हैं। मुझे लगता है कि वे (चिंताएं) जायज हैं। इजराइल और ईरान द्वारा एक–दूसरे के खिलाफ हमले किए जाने से पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के बीच यह टिप्पणी आई है। नेतन्याहू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी को फोन करके इजराइल की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। राजदूत ने इस कार्रवाई को ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के उद्देश्य से और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से उत्पन्न ''अस्तित्वगत खतरे का जवाब देने के लिए रक्षात्मक उपाय बताया। इस बात पर बल देते हुए कि इजराइल के पास निर्णायक कार्रवाई के अलावा ''कोई विकल्प नहीं था, अजार ने कहा, ''दुनिया का कोई भी देश इस तरह के हालत पैदा करना नहीं चाहता है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी अधिकारियों का एक गुप्त समूह इजराइल को ''तबाह करने के इरादे से परमाणु हथियार तैयार करने का प्रयास कर रहा था और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई बार–बार यह बात कहते रहते हैं। आने वाले वर्षों में बैलिस्टिक मिसाइलों का विशाल शस्त्रागार बनाने की ईरान की ''योजनाओं की तरफ गौर कराते हुए अजार ने कहा, ''हमें एक आसन्न खतरे को दूर करना था और उनके परमाणु प्रतिष्ठानों एवं बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी थी। राजदूत ने कहा, ''वे अगले तीन वर्षों में 10,000 और अगले छह वर्षों में 20,000 बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करने की योजना बना रहे हैं। उनके पास एक विशाल शस्त्रागार है जो इजराइल के लिए खतरा है। वे दक्षिणी मोर्चे से हम पर हमला कर सकते हैं, इसलिए हमारे पास इस परमाणु खतरे पर कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं

था और हम इसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए दृढ़ हैं। अजार ने यह भी कहा कि इजराइल के जारी अभियानों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान यूरेनियम को संवर्धित न कर सके, जो एक ऐसा लक्ष्य है जिसे कूटनीतिक या सैन्य दोनों तरीके से हासिल करने के लिए इजराइल दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 60–दिवसीय वार्ता अवधि का संदर्भ देते हुए कहा कि ईरान द्वारा इसे न मानने पर 61वें दिन इजराइल ने कार्रवाई की। अजार ने आरोप लगाया, ''ईरान दूसरे देशों को धोखा दे रहा है।

सम्पादकीय

इस दुनिया में किस पर करें भरोसा?

पति को मारकर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट से ढकने वाली मेरठ की मुस्कान का केस ठंडा भी नहीं हुआ था कि इंदौर की सोनम का मामला सामने आ गया। कौन अपराधी है और कौन नहीं, अदालत किसे कितनी सजा देगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह सोचकर दहशत होती है कि हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को मरवा दिया। ससुराल वालों के साथ खुश रहना, विवाह के समय नाचना–कूदना और मन में किसी और योजना का चलना। क्या सचमुच उसने राज कुशवाहा जैसे फटेहाल प्रेमी के लिए यह सब किया या किसी और के लिए? राजा की हत्या का राज खुलने के बाद कुछ लोग एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देकर कह रहे हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक अपराध पुरुष करते हैं और स्त्रियां तो मात्र छह–आठ प्रतिशत ही ऐसा करती हैं। क्या यह कहा जा रहा है कि जब तक 92–94 प्रतिशत स्त्रियां भी अपराध न करने लगें, तब तक इन घटनाओं की अनदेखी की जाए? अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री–पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराध ी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी। जब किसी पुरुष के आरोपित बनते ही उसके परिवार वालों को रात–दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खोई प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है। इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा–अजीत सेठ कांड याद आता है। हरीश से विवाहित इंदु के अजीत से संबंध थे। उन्हें लगता था कि उनके संबंधों में इंदु के दो छोटे बच्चे रोड़ा बन रहे हैं। दोनों ने मिलकर बच्चों पर मिट्टी का तेल छिड़का और आग लगा दी। उस समय इस घटना पर भी लोगों में काफी आक्रोश जागा। जब उन्हें जेल भेजा गया तो वहां कैदियों ने उनकी पिटाई की। मेघालय की घटना से राजा रघुवंशी और सोनम के साथ उन चार लड़कों के परिवार भी तबाह हुए, जिन्हें हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। जो किसी अपराध को अंजाम देते हैं, उन्हें यह क्यों नहीं लगता कि वे पकड़े भी जाएंगे या यह सोचते हैं कि कुछ भी करके बच निकलेंगे? पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज ने दो फिल्में बनाई हैं–मार्टरस आफ मैरिज और इंडियाज संस। वह पुरुष आयोग बनाने की मांग करती रही हैं। उन्होंने पत्नियों द्वारा पति की हत्या और पुरुषों की आत्महत्या के मामलों का अध्ययन किया था। इसके अनुसार देश भर में जनवरी 2023 से लेकर दिसंबर तक 306 पतियों और कई मामलों में उनके परिवार वालों की हत्या पत्नियों द्वारा की गई। इनमें से कुछ हत्याओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई। एक तरफ महिलाओं के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सशक्त हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ जैसे ही कोई स्त्री अपराध करती है, उसके बचाव में कहा जाने लगता है कि वह तो ऐसा कर ही नहीं सकती। क्यों नहीं कर सकती? आखिर वे स्त्रियां कौन हैं, जो जघन्य अपराध कर रही हैं? कई बार सोचती हूं कि किसी अपराध को साबित करने के लिए पुलिस के सामने भी कितनी चुनौतियां होती हैं। राजा की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस को आलोचना का सामना करना पड़ा। वह जिस तरह बिना किसी प्रतिक्रिया के मामले की छानबीन करती रही, वह तारीफ के काबिल है। प्रतिक्रिया न देने पर सोनम और राजा के परिवार वाले उसकी लगातार आलोचना कर रहे थे। मेघालय में ऐसे अपराध न के बराबर होते हैं। वहां भी इस घटना पर लोगों में गुस्सा है। लोग दोनों परिवारों से माफी की मांग कर रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर को बेवजह बदनाम किया गया। लोग पूछ रहे हैं कि यदि सोनम को राजा पसंद ही नहीं था तो उससे विवाह क्यों किया?

आतंकवाद और पाकिस्तान- चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है। पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, "हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9\11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता। जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है। भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यामांर , बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है ? बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है। भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते–पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है,।

कांग्रेस को थरूर, खुर्शीद, और ओवैसी से सीखना चाहिए राष्ट्रहित

लेकिन उन्होंने जिस सहजता से इसका जवाब दिया कि 'विविधता में एकता' ही भारत की राष्ट्रीय भाषा है, उससे स्वाभाविक है कि किसी खास मंशा से ऐसा सवाल पूछने वाली की बोलती बंद हो गई। उल्लेखनीय है कि कनिमोरी उस तमिलनाडु राज्य से आती हैं, जहां भाषा विशेषकर हिंदी को लेकर अक्सर विवाद छेड़ दिया जाता है। यहां तक कि उनकी पार्टी अपने संस्थापक अन्नादुरई के दौर से तमिलनाडु पर 'हिंदी थोपने' का शोर मचाती रही है। यह सिलसिला जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी की सरकारों तक कायम है। कनिमोरी ने भाषा को लेकर अपने जवाब से यही रेखांकित किया कि किसी भी सूरत में राष्ट्रहित ही सर्वोपरि होना चाहिए।

ए. सूर्यप्रकाश

आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद वैश्विक मंचों पर अपना पक्ष रखने लिए मोदी सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को अलग–अलग देशों में भेजने की जो पहल की, वह अपने मूल उद्देश्य से भी कहीं अधिक सफल साबित हुई है। इन प्रतिनिधिमंडलों में गए सदस्यों ने न केवल पाकिस्तान के असली चेहरे को बेनकाब किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि आंतरिक स्तर पर कुछ विवादों–विभाजनों के बावजूद भारत मूल रूप से एक है। इन प्रतिनिधिमंडलों ने भारत की समावेशी संस्कृति का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसकी सबसे प्रभावी अभिव्यक्ति तब देखने को मिली, जब द्रमुक सांसद कनिमोरी के समक्ष स्पेन में भारत की राष्ट्रीय भाषा का सवाल पूछकर उन्हें असहज करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने जिस सहजता से इसका जवाब दिया कि 'विविधता में एकता' ही भारत की राष्ट्रीय भाषा है, उससे स्वाभाविक है कि किसी खास मंशा से ऐसा सवाल पूछने वाली की बोलती बंद हो गई। उल्लेखनीय है कि कनिमोरी उस तमिलनाडु राज्य से आती हैं, जहां भाषा विशेषकर हिंदी को लेकर अक्सर विवाद छेड़ दिया जाता है। यहां तक कि उनकी पार्टी अपने संस्थापक अन्नादुरई के दौर से तमिलनाडु पर 'हिंदी थोपने' का शोर मचाती रही है। यह सिलसिला जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी की सरकारों तक कायम है। कनिमोरी ने भाषा को लेकर अपने जवाब से यही रेखांकित किया कि किसी भी सूरत में राष्ट्रहित ही सर्वोपरि होना चाहिए। यह बात अलग है कि जब स्पेन की धरती पर वह भारत की धाक जमा रही थीं तो उसी दौरान उनकी पार्टी के सहयोगी और प्रख्यात अभिनेता–फिल्मकार कमल हासन कन्नड़ भाषा को कमतर बताने और तमिल की श्रेष्ठता जताने का शिगूफा छेड़कर नया विवाद खड़ा करने में लगे थे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी इस मोर्चे पर सराहनीय काम किया। इसमें कांग्रेस के भी कुछ सांसद खास तौर पर शामिल हैं। अपने नेता राहुल गांधी के निरंतर शिकायती लहजे और सामान्य तौर पर नकारात्मक रवैये के बावजूद कांग्रेस सांसदों ने यही दर्शाया कि भारत राजनीतिक रूप से भी पूरी तरह से एकजुट है। कांग्रेस के ऐसे सांसदों में शशि थरूर की खूब सराहना हुई। विषय के प्रति अपने विशद ज्ञान एवं उत्कृष्ट संवाद शैली के जरिये उन्होंने अनुकरणीय रूप से भारत का पक्ष रखा। दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल भेजने संबंधी पहल को लेकर थरूर ने मोदी सरकार को भी सराहा। उन्होंने कहा कि जब भी राष्ट्र संकट में हो तो सभी नागरिकों का दायित्व है कि कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। राजनीति को इससे अलग रखा जाना चाहिए। उनके अनुसार अमेरिका और मध्य अमेरिकी देशों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए उनका चयन उनके लिए गर्व की अनुभूति कराने वाला रहा। पूर्व विदेश मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी अपने दायित्व को बखूबी निभाया। उन्होंने आपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए सैन्य बलों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ संवाद–सहयोग के चाहे जो प्रयास किए जाएं, लेकिन इस पड़ोसी देश की उन्हें लेकर एक ही प्रतिक्रिया होती है और वह है आतंकवाद। आपरेशन सिंदूर की आलोचना करने वाले विपक्षी दलों और यहां तक कि अपनी पार्टी के कुछ नेताओं को भी खुर्शीद ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने संबंधी मोदी सरकार के फैसले का पुरजोर समर्थन किया। इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उन्हें निशाना बनाया, जिसकी पीड़ा उन्होंने यह कहकर व्यक्त की कि क्या देशभक्त होना इतना कठिन है। थरूर और खुर्शीद के अलावा आनंद शर्मा कांग्रेस के एक अन्य बड़े नेता रहे, जिन्होंने प्रतिनिधिमंडल संबंधी कवायद को सराहा। आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की भूमिका को दुनिया के सामने उजागर करने के मोदी सरकार के इस प्रयास को उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बताया। मनीष तिवारी का नाम भी उन नेताओं में जुड़ गया जिन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति कोई भी जिम्मेदारी हर चीज से ऊपर है। पहलगाम हमले के बाद से लेकर प्रतिनिधिमंडल में भागीदारी तक एआइएमआइएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी का भी एक प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में उभार देखने को मिला। उन्होंने बहुत बेबाकी से यह बात रखी कि पाकिस्तान की आतंकपरस्त नीतियों की भारत किस तरह कीमत चुका रहा है।

उन्होंने अपनी विशेष भाषा–शैली और उदाहरणों के जरिये दुनिया का ध्यान इस समस्या की ओर खींचा। उन्हें सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जैसे उन मुस्लिम देशों में गए प्रतिनिधि ामंडल के साथ भेजा गया था, जहां पाकिस्तान अक्सर मजहबी दुहाई देता रहता है।

उनके प्रतिनिधिमंडल ने मुखरता से इस पहलू को रेखांकित किया कि पाकिस्तानी आतंकवादी अपनी गतिविधियों से भारत के बहुलतावादी, उदार एवं लोकतांत्रिक समाज के तानेबाने को छिन्न–भिन्न करना चाहते थे। विभिन्न दलों के सांसदों एवं विशेषज्ञों को दुनिया भर में भेजने के मोदी सरकार के इस प्रयास की व्यापक रूप से प्रशंसा की जानी चाहिए। इस संदर्भ में कनिमोरी के भारत की भाषा संबंधी बयान की बात करें तो यह केवल देश की भाषाई विविधता से ही नहीं जुड़ा था। ध्यान रहे कि भारत की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं भाषाई विविधता वास्तव में बेजोड़ है। भारत दुनिया का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश ही नहीं, बल्कि सर्वाधिक विविध ातापूर्ण एवं सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र भी है। हमारे संविधान में ध ार्मिक, भाषाई एवं अन्य अल्पसंख्यकों के लिए जिस प्रकार के अधिकार प्रदान किए गए हैं, उनकी दुनिया में कोई और मिसाल नहीं मिलती। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं को कनिमोरी एवं दूसरे सांसदों से सीखना चाहिए कि जब राष्ट्रहित की बात आए तो अपना रवैया कैसा रखना होता है। राहुल गांधी यह भी सीख लें कि विदेशियों या अन्य देशों के नेताओं के समक्ष खुद को कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस सहजता से इसका जवाब दिया कि 'विविधता में एकता' ही भारत की राष्ट्रीय भाषा है, उससे स्वाभाविक है कि किसी खास मंशा से ऐसा सवाल पूछने वाली की बोलती बंद हो गई। उल्लेखनीय है कि कनिमोरी उस तमिलनाडु राज्य से आती हैं, जहां भाषा विशेषकर हिंदी को लेकर अक्सर विवाद छेड़ दिया जाता है। यहां तक कि उनकी पार्टी अपने संस्थापक अन्नादुरई के दौर से तमिलनाडु पर 'हिंदी थोपने' का शोर मचाती रही है। यह सिलसिला जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी की सरकारों तक कायम है। कनिमोरी ने भाषा को लेकर अपने जवाब से यही रेखांकित किया कि किसी भी सूरत में राष्ट्रहित ही सर्वोपरि होना चाहिए। यह बात अलग है कि जब स्पेन की धरती पर वह भारत की धाक जमा रही थीं तो उसी दौरान उनकी पार्टी के सहयोगी और प्रख्यात अभिनेता–फिल्मकार कमल हासन कन्नड़ भाषा को कमतर बताने और तमिल की श्रेष्ठता जताने का शिगूफा छेड़कर नया विवाद खड़ा करने में लगे थे। सर्वदलीय प्रतिनिधि ामंडलों में शामिल अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी इस मोर्चे पर सराहनीय काम किया। इसमें कांग्रेस के भी कुछ सांसद खास तौर पर शामिल हैं। अपने नेता राहुल गांधी के निरंतर शिकायती लहजे और सामान्य तौर पर नकारात्मक रवैये के बावजूद कांग्रेस सांसदों ने यही दर्शाया कि भारत राजनीतिक रूप से भी पूरी तरह से एकजुट है। कांग्रेस के ऐसे सांसदों में शशि थरूर की खूब सराहना हुई। विषय के प्रति अपने विशद ज्ञान एवं उत्कृष्ट संवाद शैली के जरिये उन्होंने अनुकरणीय रूप से भारत का पक्ष रखा। दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल भेजने संबंधी पहल को लेकर थरूर ने मोदी सरकार को भी सराहा। उन्होंने कहा कि जब भी राष्ट्र संकट में हो तो सभी नागरिकों का दायित्व है कि कंधे से कंधा मिलाकर काम करें।

राजनीति को इससे अलग रखा जाना चाहिए। उनके अनुसार अमेरिका और मध्य अमेरिकी देशों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए उनका चयन उनके लिए गर्व की अनुभूति कराने वाला रहा। पूर्व विदेश मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी अपने दायित्व को बखूबी निभाया।

उन्होंने आपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए सैन्य बलों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ संवाद–सहयोग के चाहे जो प्रयास किए जाएं, लेकिन इस पड़ोसी देश की उन्हें लेकर एक ही प्रतिक्रिया होती है और वह है आतंकवाद। आपरेशन सिंदूर की आलोचना करने वाले विपक्षी दलों और यहां तक कि अपनी पार्टी के कुछ नेताओं को भी खुर्शीद ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने संबंध ी मोदी सरकार के फैसले का पुरजोर समर्थन किया।

साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश दुनिया में साइबर अपराध ा के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी–मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो–पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022–23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया–पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध ा से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है। मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए। ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है।

लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं। हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी दे देते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधि ाकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राषि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं कि कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देष में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता इस समस्या का समाधान हो सकती है। सबसे ज्यादा जरुरी यह हो जाता है कि लाख सजगता के बावजूद भी यदि साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो उस स्थिति में बिना किसी घबराहट और संकोच के कहां ओर कैसे शिकायत की जा सकती है इसकी जानकारी देने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा नहीं तो साइबर अपराध का जिस तरह से दायरा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है उस पर अंकुश नहीं लग सकेगा। मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए।

हमें अपनी पूर्वी सीमा पर भी कड़ी नजर बनाए रखनी होगी

बांग्लादेश की कलई अब खुलने लगी है। वहां अराजकता का माहौल है, सत्ता के लिए खींचतान मची है। एक तरफ सरकार के अंतरिम मुखिया मुहम्मद यूनुस हैं। दूसरी तरफ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी)। एक समय था जब दोनों में आपसी समझ बन गई थी, पर अब ऐसा नहीं है। अब वे एक खुली लड़ाई में उलझे हैं और इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। पिछले सप्ताह बीएनपी ने ढाका में एक विशाल रैली निकाली। हजारों लोग सड़कों पर उतरे और दिसम्बर तक चुनाव कराने की मांग की। यूनुस टोकियो रवाना हो गए और विदेश से ही व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर हम अराजकता चाहते हैं, तो जरूर दिसम्बर में चुनाव करा सकते हैं, लेकिन वास्तविक सुधारों के लिए छह महीने और चाहिए। जबकि अंतरिम नेता के तौर पर यूनुस को तटस्थ रहना चाहिए, पार्टियों पर टीका–टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। दूसरे, वे पूरी तरह से गलत हैं। यह सिर्फ बीएनपी की ही मांग नहीं है। 12 दलों का गठबंधन भी जल्दी चुनाव चाहता है। बांग्लादेश के अधिकांश राजनीतिक खिलाड़ी चुनाव के लिए तैयार हैं। तब अनुमान लगाइए कि कौन इससे अचकचा रहा है? यूनुस के समर्थक– जमात–ए–इस्लामी और छात्र दल– ये चुनाव में देरी के लिए दबाव डाल रहे हैं। वे चाहते हैं कि पहले अवामी लीग को दंडित किया जाए। उन्हें चुनाव में हार का डर है। बीएनपी को यह पता है। उसके एक नेता ने पलटवार करते हुए कहा– चुनाव में देरी की ख्वाहिश किसी पार्टी की नहीं, एक व्यक्ति की है और वो हैं– यूनुस। बीएनपी लामबंद हो रही है। पिछले सप्ताह के विरोध ा–प्रदर्शनों से संकेत मिला है कि वह चुनावों के लिए एक बड़े सार्वजनिक आंदोलन की तैयारी कर रही है। लेकिन यूनुस भी असहाय नहीं हैं। उनके पास बांग्लादेश के कट्टरपंथी इस्लामी समूहों की ताकत है, और शायद बाहरी शक्तियों की भी। पाकिस्तान का उदाहरण देखें। लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) द्वारा पंजाब में आयोजित एक रैली ने सबकी त्योरियां चढ़ा दीं। एलईटी का मुजम्मिल हाशमी– जो कि एक नामित आतंकवादी है– ने शेख हसीना को हटाने में अपनी भूमिका के बारे में शेखी बघारी। यह सच हो न हो, लेकिन चिंतनीय बात जरूर है। यूनुस के प्रमुख सहयोगी दल जमात–ए–इस्लामी के पाकिस्तान की आईएसआई से गहरे संबंध हैं और 1971 के नरसंहार को बढ़ावा देने का उसका खूनी इतिहास रहा है। दोषी ठहराए जा चुके आतंकियों को यूनुस के राज में आजाद कर दिया गया है और 'राजनीतिक कैदी' के रूप में उनकी री–ब्रांडिंग की जा रही है। यूनुस पाकिस्तान के सैनिकों को आमंत्रित कर रहे हैं, वीजा–प्रक्रिया को आसान बना रहे है, व्यापार शुरू कर रहे हैं, राजनयिकों की मेजबानी कर रहे हैं। वे बांग्लादेश के संस्थापक–सिद्धांतों को उलट दे रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान के इस्लामिक–दृष्टिकोण को खारिज किया गया था। तीन कारणों से नई दिल्ली को सतर्क रहना चाहिए। अव्वल तो यह कि सीमा पर तनाव बढ़ रहा है। भारत के बीएसएफ और बांग्लादेश के बीजीबी के बीच हाल में गतिरोध हुआ था, लेकिन घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए चेतावनी के तौर पर सीमा पर गोलियां चलाई गईं। 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर तनाव चरम पर है– जो कि भारत की सबसे लंबी सीमा है। यूनुस के पाकिस्तान के साथ मेलजोल और कट्टरपंथियों को रिहा करने से एक चिंगारी भी अराजकता को भड़का सकती है। दूसरे, चुनाव भारत की जीवन–रेखा हैं। हसीना के बाद ढाका से हमारे सम्बंध विच्छिन्न–से हो गए हैं। भारत वहां पर जल्दी चुनाव कराने पर जोर दे रहा है, क्योंकि उसे लगता है कि निर्वाचित सरकार के साथ फिर से बातचीत शुरू की जा सकती है। लेकिन पाकिस्तान के साथ लामबंद यूनुस ऐसी कोई उम्मीद नहीं देते हैं। तीसरे, यूनुस क्षेत्रीय शतरंज की बिसात बदल रहे हैं। वे पाकिस्तान से निकटता बढ़ा रहे हैं और चीन के लिए दरवाजे खोल रहे हैं। खबरें हैं कि बीजिंग लालमुनीरहाट में एयरबेस बनाने की तैयारी कर रहा है। यह भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर से 20 किलोमीटर दूर है और पूर्वोत्तर को मुख्य–भूमि से जोड़ने वाला 'चिकन–नेक' है। वहां चीन का पैर जमाना हमारे लिए सीधा खतरा है। यहां तक घ्कि अमेरिका भी म्यांमार में सहायता कॉरिडोर बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसे बांग्लादेश की सेना ने खारिज कर दिया है। ऐसा नहीं है कि भारत चुप बैठा है।

गांवों से लेकर शहर तक बिजली आपूर्ति धड़ाम

लगातार ट्रांसफार्मर जवाब दे रहे, ट्रिपिंग, लो वोल्टेज व कटौती ने किया बेहाल

बाराबंकी (संवाददाता)। भीषण गर्मी में बढ़ी बिजली की मांग ने ट्रांसफार्मर के साथ ही सप्लाई लाइन की फॉल्ट भी बढ़ा दी है। लोड के कारण फुंक रहे ट्रांसफार्मरों के कारण शहर से लेकर गांवों तक तक बिजली आपूर्ति धड़ाम हो जाने से लोग हलकान हैं। अघोषित तौर पर हो रही बिजली कटौती के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी के साथ पानी न मिलने की परेशानी से भी जूझना पड़ रहा है। लगातार बढ़ती मांग के कारण ट्रांसफार्मर जहां जवाब देने लगे हैं वहीं ट्रिपिंग, लो वोल्टेज व घंटों की कटौती ने जनजीवन बेहाल कर दिया है। बीते 24 घंटे में ओवरलोड हो जाने के कारण फुंके तीन ट्रांसफार्मरों के कारण करीब एक लाख की आबादी को घंटों बिजली के लिए जूझना पड़ा। इस दौरान 24 घंटे में खराब ट्रांसफार्मर बदलने का दावा भी फेल साबित हुआ। बिजली विभाग की अधीक्षण अभियंता राजबाला का कहना है कि मौजूदा समय में बिजली की मांग बढ़ गई है। इमरजेंसी रोस्टिंग होने से ही बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। रोस्टर के अनुसार ही बिजली आपूर्ति की जा रही है। हर फाल्ट को जल्दी ठीक कराने के लिए लगातार मॉनीटरिंग का भी निर्देश है।शहर के मुख्य बाजार धनोखर में शुक्रवार को दो घंटे बिजली गुल रही। नहर कॉलोनी, आवास विकास, हनुमंतनगर, गोकुल नगर, राम जानकी नगर में ट्रिपिंग व लो वोल्टेज की समस्या बनी रही। शहर में सिविल लाइन, कंपनी बाग नेहरू नगर, प्रीति विहार कॉलोनी में शाम होते ही 10 से 15 बार ट्रिपिंग हुई। मौजूदा समय में दैनिक बिजली की खपत 330 एमबीए हो गई है जो सामान्य से 70 एमबीए अधिक है।

सआदतगंज क्षेत्र में शाम छह बजे तक बिजली रही बिजली की आवाजाही से करीब 20 हजार आबादी को परेशानी झेलनी पड़ी। हैदरगढ़ ग्रामीण उपकेंद्र के मंझार, टेलीफोन, बहुता, त्रिवेदीगंज फीडर में पूरी रात कई बार में घंटो बिजली काटी गई। इसी तरह रामनगर डिवीजन में शुक्रवार सुबह 10रू30 बजे से लेकर 11रू30 तक सिरौलीगौसपुर के क्षेत्र के कितूर गांव 18 घंटे के सापेक्ष मात्र 12 घंटे ही बिजली सप्लाई मिली। इससे 18 हजार की आबादी को परेशानी उठाना पड़ी।

स्टेमी केयर वार्ड में मिले इलाज से बची रोगियों की जान

बाराबंकी (संवाददाता)। संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर में संचालित स्टेमी केयर वार्ड में समय पर उचित इलाज मिल जाने से दो हृदय रोगियों की जान बच गई। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए लखनऊ लॉरी कार्डियोलॉजी रेफर कर दिया गया।

10 जून को अवधेश वर्मा को दिल का दौरा पड़ा। परिजन उन्हें स्टेमी केयर वार्ड लेकर पहुंचे। जहां तैनात प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ और डॉ. हसन सलीम ने प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया। समय पर उचित इलाज मिल जाने से अवधेश वर्मा की हालत अब बेहतर हो गई है। इससे पूर्व तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक मंसाराम को दिल की बीमारी के बाद वार्ड में लाया गया था। यहां तैनात डॉ. गौरव कृष्ण ने ईसीजी करने के बाद पीड़ित की मेडिकल रिपोर्ट को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल को भेज दिया।

प्रयागराज और वाराणसी ने जीती चल वैजयंती ट्रॉफी

बाराबंकी (संवाददाता)। दसवीं वाहिनी पीएसी के हॉकी ग्राउंड पर 73वीं उत्तर प्रदेश पुलिस महिला व पुरुष वार्षिक हॉकी प्रतियोगिता में प्रयागराज और वाराणसी की टीम विजेता बनी। पांच दिवसीय प्रतियोगिता के समापन में मुख्य अतिथि सेनानायक राकेश कुमार सिंह ने विजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन महिला व पुरुष वर्ग के दो रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए। पुरुष वर्ग में प्रयागराज जोन ने लखनऊ को नौ–पांच से हराकर चल वैजन्ती ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। सूरज सिंह व सलीम जावेद ने प्रयागराज की जीत में शानदार तीन–तीन गोल मारे। वहीं महिला वर्ग में फाइनल मुकाबला वाराणसी व प्रयागराज के बीच खेला गया। फाइनल मैच में वाराणसी जोन ने कप्तान अंजू रंजन और कुसुम गौतम के एक–एक गोल की बदौलत प्रयागराज को दो–एक से पराजित कर विजयी शील्ड जीती। इससे पहले समापन समारोह की शुरुआत में सहायक सेनानायक डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने प्रतिभागी आठ पुलिस जोनों एवं पीएसी के तीन जोनों (पूर्वी, पश्चिमी, मध्य) की टीमों से परिचय प्राप्त किया।

वाहनों की टक्कर से दो बुजुर्गों की मौत

बाराबंकी (संवाददाता)। अलग–अलग हुए सड़क हादसों में दो बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। इनमें से एक हादसा सफदरगंज व दूसरा हैदरगढ़ में हुआ। मसौली थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी रईस (60) बृहस्पतिवार को अपने साथी सिराज के साथ साथ कही जा रहे थे। रात करीब नौ बजे पुत्र आसिफ को सूचना मिली कि सफदरगंज में उनकी कार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इसकी चपेट में आकर रईस व सिराज घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरा रास्ते में ही रईस की मौत हो गई। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार सुबह चौबीसी गांव के राजा तिवारी (65) गांव के मान मोर्या के साथ बाइकसे हैदरगढ़ तहसील में पेशी पर जा रहे थे।

म्योरपुर एयरपोर्ट से उड़ान के प्रशिक्षण की तैयारी, हाईकोर्ट से स्टे हटने के बाद निर्माण तेज

वाराणसी (संवाददाता)। हाईकोर्ट से स्टे हटने के बाद म्योरपुर एयरपोर्ट के निर्माण की कवायद तेज हो गई है। एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया से इसका निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही इस एयरपोर्ट पर उड़ान का प्रशिक्षण भी देने की तैयारी है। इसकी जिम्मेदारी रेड रुल कंपनी को मिला है। कंपनी के अधिकारियों ने पिछले दिनों एयरपोर्ट का निरीक्षण कर संभावनाएं भी देखी हैं। अब इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। म्योरपुर में स्थित हवाई पट्टी का रिजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत एयरपोर्ट के रूप में विस्तार किया जा रहा है। यह काम पहले वर्ष 2022 तक पूरा कर लिया जाना था, लेकिन पार्किंग एरिया के कुछ हिस्से में जमीन विवाद के कारण हाईकोर्ट ने स्टे लगा दिया था। इसके बाद से लगातार सुनवाई चल रही थी। इससे निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ गया था। जिला प्रशासन की कोशिशों के बाद करीब दो माह पहले हाईकोर्ट ने स्टे हटा दिया है। इसके बाद अब फिर से एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य शुरू करने की कवायद शुरू हुई है। फिलहाल इसकी निगरानी लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बाबतपुर के माध्यम से हो रही है। दोबारा काम शुरू कराने के लिए अधूरे कार्यों का आकलन कर प्रस्ताव भेजा गया है। इस पर शीघ्र ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच म्योरपुर एयरपोर्ट को फ्लाइंग ट्रेनिंग सेंटर के रूप में भी विकसित करने की दिशा में पहल की गई है। इसके लिए शासन की ओर से संस्था नामित की गई है। पिछले दिनों संस्था के सदस्यों ने एयरपोर्ट का निरीक्षण भी किया है। शीघ्र ही इसमें कोई निर्णय होने की उम्मीद जताई जा रही है।

अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्ष आमने-सामने

सीतापुर (संवाददाता)। इलाके के केदारपुर गांव में शव का अंतिम संस्कार करने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस व प्रशासनिक कर्मचारी आ गए।

करीब चार घंटे तक चली बातचीत के बाद विवादित भूमि पर दोनों पक्षों के दखल ने देने पर सहमति बनी। वहीं किशोरी के शव का अंतिम संस्कार दूसरे स्थान पर किया गया। पैंतेपुर चौकी इलाके के केदारपुर निवासी ओम प्रकाश गौतम की पुत्री सरोजनी देवी (17) की बीमारी से शुक्रवार सुबह मौत हो गई थी। मृतका का दाह संस्कार करने के लिए परिजन उसे लेकर श्मशान पहुंचे।

वहां मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यह कहते हुए दाह संस्कार करने से मना कर दिया कि यहां पहले कब्रिस्तान था। इस मामले में उन लोगों ने सिविल कोर्ट महमूदाबाद में वाद भी दायर किया है। देखते ही देखते दोनों समुदाय के सैकड़ों की तादाद में लोग जमा हो गए और बहस शुरू हो गई।

नहाते समय चार किशोर नदी में डूबे, दो के शव बरामद

डेवर घाट पर बच्चे नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए

सीतापुर (संवाददाता)। तंबौर के डेवरघाट में शनिवार दोपहर नहाने आए चार किशोर शारदा नदी में डूब गए। देर शाम तक दो किशोरों के शवों को नदी से निकाल लिया गया था। दो अन्य की तलाश की जा रही है। चारों खीरी जिले के रहने वाले हैं। कुछ देर तक घटनास्थल को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही, हालांकि तंबौर पुलिस सूचना मिलते ही पहुंची और नदी में डूबे किशोरों की तलाश शुरू कर दी। तंबौर थानाध्यक्ष राकेश सिंह के मुताबिक लखीमपुर खीरी जिले के थाना ईसानगर के हसनपुर कटौली गांव निवासी अविनाश (14), उत्कर्ष (14), राहुल (13), देवांश (14) दोपहर करीब 12 बजे तंबौर के अकबरपुर गांव के पास से गुजरी शारदा नदी में नहाने गए थे। डेवर घाट पर बच्चे नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए।उनको डूबते देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देते हुए बचाने का प्रयास किया लेकिन चारों लोग तेज बहाव में लापता हो गए। नदी का यह छोर खीरी के ईसानगर थाने में होना माना जाता है। इसके बावजूद तंबौर पुलिस घटना की जानकारी पाते ही मौके पर पहुंच गई थी।घ्दोनों जिलों की पुलिस टीमों ने किशोरों की तलाश शुरू कर दी। घटनास्थल से कुछ दूर पर हीघ्तंबौर पुलिस ने अविनाश और उत्कर्ष के शव खोज लिए। थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दो अन्य की तलाश की जा रही है। चारों खीरी जिले के रहने वाले हैं। कुछ देर तक घटनास्थल को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही, हालांकि तंबौर पुलिस सूचना मिलते ही पहुंची और नदी में डूबे किशोरों की तलाश शुरू कर दी। डेवर घाट पर बच्चे नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

युवक के शव को लेकर कोतवाली पहुंचे

सीतापुर (संवाददाता)। शहर निवासी सुरक्षाकर्मी की बिजनौर में मौत होने के बाद बृहस्पतिवार को परिजन शव लेकर कोतवाली पहुंच गए। उन्होंने सुरक्षा एजेंसी के कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। स्थानीय पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार कराया। पुलिस के मुताबिक शहर के मोहल्ला शमशेरबाग निवासी राकेश मिश्र (40) बिजनौर के स्योहारा शुगर मिल में सुरक्षाकर्मी थे। बृहस्पतिवार को उनकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मिल में डिस्टलरी के गेट पर ड्यूटी करते समय वह अचानक गिर गए। स्टाफ ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मुरादाबाद के एक अस्पताल में राकेश को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसी ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही राकेश के शव को सीतापुर भेज दिया।

जिले के 281 सिमों से हो रही धोखाधड़ी

बाराबंकी (संवाददाता)। देशभर में बढ़ते साइबर अपराध के जाल में बाराबंकी का नाम भी तेजी से जुड़ने लगा है। गृह मंत्रालय से आई खुफिया रिपोर्ट में बाराबंकी से जारी हुए 281 मोबाइल सिमों का इस्तेमाल साइबर ठगी में होता मिला है। रिपोर्ट आने के बाद साइबर सेल ने चिह्नित सिम नंबरों से जुड़ा ब्योरा खंगालना शुरु कर दिया है। इन संदिग्ध सिमों का इस्तेमाल झांसा देकर रुपये का भुगतान कराने, डिजिटल अरेस्ट करने, ब्लैक मेलिंग करने के साथ ही ऑन लाइन ठगी के अन्य मामलों में होने की बात सामने आई है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज होने वाले मामलों में इस्तेमाल होने वाले मोबाइल नंबरों की जांच शुरू हुई तो 281 सिम कार्ड बाराबंकी से जुड़े मिले।

लाखों की लागत से बना मिनी स्टेडियम बदहाल

बाराबंकी (संवाददाता)। देखभाल न होने से ग्राम सभा टेराकला के मजरे बैसुवा में करीब 15 वर्ष पूर्व लाखों की लागत से बना ग्रामीण मिनी स्टेडियम बदहाल पड़ा है। मैदान पर उगी झाड़ियों के साथ समतलीकरण न होने से यहां प्रैक्टिस करना भी दुश्वार हो गया है। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए खरीदी गई जिम मशीन, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, तीरंदाजी से जुड़ा खेल का सामान भी खराब हो जाने से स्टोर रूम में बंद है। खेल मैदान के बदहाल होने से सबसे ज्यादा परेशानी सेना, सीआरपीएफ, पुलिस, पीएसी आदि में चयन के लिए शारीरिक दमखम बनाने की तैयारी में जुटे युवाओं को हो रही है। देवा ब्लॉक की ग्राम सभा बैसुवा में वर्ष 2010 में करीब 60 लाख रुपए की लागत से युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा मिनी स्टेडियम बनवाया गया था।

दो दरोगा निलंबित, थानाध्यक्ष पर जांच के आदेश

भ्रष्टाचार पर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बड़ी कार्रवाई की

हरदोई (संवाददाता)। पुलिस महकमे में अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार पर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बड़ी कार्रवाई की है। अलग–अलग मामलों में दो उपनिरीक्षकों (दरोगा) को निलंबित कर दिया गया है, जिनमें से एक पर आरोप पत्र दाखिल करने के एवज में दो हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। वहीं, एक थानाध्यक्ष के खिलाफ भी प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए हैं। अतरौली थाना क्षेत्र के फत्तेपुर गांव निवासी सुषमा ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना अतरौली थाने में तैनात दरोगा अरविंद सिंह यादव को सौंपी गई थी। सुषमा ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज कराई थी कि जांच के बाद पुलिस आरोप पत्र दाखिल नहीं कर रही है। आरोप लगाया था कि आरोप पत्र दाखिल करने के लिए विवेचक (दरोगा) दो हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। एसपी ने जांच सीओ संडीला से कराई। इस दौरान रुपये मांगने का एक वीडियो भी सुषमा ने सीओ को दिया। सीओ की रिपोर्ट के आधार पर दरोगा अरविंद सिंह यादव को निलंबित कर दिया गया है। एक अन्य मामले में कासिमपुर थाना क्षेत्र के तुरनादेव निवासी गीतिका ने मारपीट का आरोप लगाते हुए आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की जांच कासिमपुर थाने के दरोगा उत्तम कुमार को मिली। जांच में दरोगा ने शिकायत को गलत बताकर आख्या लगा दी। इसी आख्या को थानाध्यक्ष आदित्य कुमार मौर्य ने आगे बढ़ा दिया। जबकि हकीकत में मारपीट हुई थी और वीडियो भी महिला के पास था। शिकायत पर एसपी ने सीओ संडीला से जांच कराई। इसके बाद दरोगा उत्तम कुमार को निलंबित कर दिया गया। वहीं, कासिमपुर थानाध्यक्ष के खिलाफ प्रारंभिक जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, एक थानाध्यक्ष के खिलाफ भी प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए हैं। अतरौली थाना क्षेत्र के फत्तेपुर गांव निवासी सुषमा ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना अतरौली थाने में तैनात दरोगा अरविंद सिंह यादव को सौंपी गई थी। सुषमा ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज कराई थी कि जांच के बाद पुलिस आरोप पत्र दाखिल नहीं कर रही है। आरोप लगाया था कि आरोप पत्र दाखिल करने के लिए विवेचक (दरोगा) दो हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। एसपी ने जांच सीओ संडीला से कराई। इस दौरान रुपये मांगने का एक वीडियो भी सुषमा ने सीओ को दिया। सीओ की रिपोर्ट के आधार पर दरोगा अरविंद सिंह यादव को निलंबित कर दिया गया है। एक अन्य मामले में कासिमपुर थाना क्षेत्र के तुरनादेव निवासी गीतिका ने मारपीट का आरोप लगाते हुए आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई थी।

बाइक सवार ससुर-दामाद को वाहन ने मारी टक्कर, ससुर की मौत

हरदोई (संवाददाता)। जरौली–नेवादा मार्ग पर बृहस्पतिवार रात किसी वाहन ने बाइक सवार ससुर–दामाद को टक्कर मारदी। गंभीर हालत में दोनों को सीएचसी ले जाया गया। यहां ससुर को मृत घोषित कर दिया गया। सांडी थाना क्षेत्र के मितमितपुर गांव निवासी घुरई (52) खेती करते थे। उनका दामाद प्रमोद (35) थाना क्षेत्र के अंटवापुरवा में रहता है। प्रमोद बृहस्पतिवार सुबह ससुराल गया था। घुरई ने बीते दिनों बाइक खरीदी थी। बाइक की नंबर प्लेट बनकर आ गई थी। इसकी जानकारी पर घुरई प्रमोद को लेकर नंबर प्लेट लेने बाइक की एजेंसी पर बिलग्राम गया था। यहां से देर रात लौटते समय जरौली मार्ग पर एक कॉलेज के पास किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे दोनों घायल हो गए। पुलिस ने एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी पहुंचाया। यहां घुरई को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, प्रमोद का उपचार चल रहा है।

शॉर्ट सर्किट से बैंक में लगी आग, ग्रामीणों ने बुझाई

हरदोई (संवाददाता)। उप्र ग्रामीण बैंक की मानपुर शाखा में शुक्रवार शाम आग लग गई। ग्रामीणों ने सबमर्सिबल से आग बुझाई। हालांकि, आग से बैंक में लगे कंप्यूटर और फर्नीचर जल गए। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। रोज की तरह मानपुर में स्थित ग्रामीण बैंक शाम करीब चार बजे बंद हो गई थी। तकरीबन साढ़े चार बजे बैंक प्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी सहयोगी कर्मियों के साथ बैंक से निकल गए थे। बैंक के पड़ोस में दुकान चलाने वाले जितेंद्र गुप्ता ने बैंक के अंदर से धुआं उठता देखा। इसकी सूचना प्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी को दी। रास्ते में होने के कारण वह 10 मिनट में ही बैंक पहुंच गए। ग्रामीणों ने सबमर्सिबल चलाकर आग बुझा दी। प्रबंधक ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका नजर आ रही है। कोतवाली क्षेत्र के पंजा गांव निवासी रामनाथ के घर शुक्रवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। रामनाथ के साथ ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाया। हालांकि, गृहस्थी जल गई। पुलिस व राजस्व की टीम भी पहुंची। लेखपाल ने नुकसान का आकलन किया। ग्रामीणों ने सबमर्सिबल से आग बुझाई। हालांकि, आग से बैंक में लगे कंप्यूटर और फर्नीचर जल गए। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

पुल निर्माण के लिए दो लाख जुटाया चंदा

बाराबंकी (संवाददाता)। अधिकारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों से गांव के निकट नहर (नवाबगंज रजबहा) पर पुल निर्माण की मांग करके थक हार चुके ग्रामीणों ने अब पुल निर्माण के लिए स्वयं ही कमर कस ली है। करीब दो लाख रुपये का चंदा भी एकत्र किया जा चुका है। अगले माह जुलाई से पुल निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। नूरापुर के पास पुल न होने से ग्रामीणों ने बिजली के खंभे रखकर अस्थाई पुल बनाया है, जिससे पैदल गुजरा जा सकता है। इस मार्ग से नूरापुर, माझी, अतरौली, नसीरपुर, छतौनी, कुबेर पुर व लकड़िया आदि गांव के स्कूली बच्चे व अन्य लोग पैदल और साइकिल लेकर प्रतिदिन गुजरते हैं, जिससे नहर में गिरने का खतरा बना रहता है।

सराफा व्यवसायी ने कर्जदार पर फेंका तेजाब, किशोर और दो बच्चे झुलस

गोरखपुर (संवाददाता)। सिंहोरवा गांव में शुक्रवार की शाम सराफा व्यवसायी गोविंद वर्मा ने लेनदेन के विवाद में हरिओम मौर्य पर तेजाब फेंक दिया।

हरिओम बच गया, लेकिन उसके साथ आए एक किशोर और बालक समेत तीन लोग झुलस गए। घायलों को सीएचसी जंगल कौड़िया में भर्ती कराया गया है। हरिओम की तहरीर पर चिलुआताल पुलिस ने केस दर्ज कर गोविंद को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, चिलुआताल थाना क्षेत्र की मजनू चौकी अंतर्गत सिंहोरवा गांव के हरिओम मौर्या (21) ने सराफा व्यवसायी गोविंद वर्मा से ब्याज पर डेढ़ लाख रुपये लिए थे। शुक्रवार को ब्याज की रकम को लेकर दोनों में फोन पर बहस हो गई। हरिओम अपने भतीजे विशाल (14) और भांजे आदर्श (10) के साथ गोविंद की दुकान पर हिसाब के लिए पहुंचा। वहां मारपीट हो गई। आरोप है कि इसी दौरान गोविंद ने आभूषण साफ करने वाला तेजाब हरिओम पर फेंक। तेजाब के छींटों से विशाल और आदर्श के हाथ बुरी तरह झुलस गए और फफोले निकल आए।

इस दौरान वहां मौजूद प्रतापपुर गांव निवासी अरमान शेख (10) के चेहरे और आंख में भी तेजाब पड़ गया। अरमान के पिता मनव्वर शेख ने बताया कि आंखों में तेजाब पड़ जाने से उनके बच्चों को धुंधला दिख रहा है।

मामले की सूचना पर मजनू चौकी प्रभारी कमलेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी गोविंद को गिरफ्तार कर लिया। दुकान से तेजाब की बोतल भी बरामद कर ली गई है।

रेलवे दफ्तर में विजिलेंस ने दस्तावेज खंगाले, रेलकर्मियों से की पूछताछ

गोरखपुर (संवाददाता)। रेलवे में सहायक लोको पायलट (एएलपी) भर्ती में स्वीकृत पद से ज्यादा चयन और मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी की जांच करने आई दिल्ली की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को रेलवे भर्ती बोर्ड के दफ्तर में जांच की।

इस दौरान कुछ रेलकर्मियों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किया गया। टीम शाम को ट्रेन से दिल्ली रवाना हो गई। वर्ष 2018 में सहायक लोको पायलट की भर्ती निकाली गई थी और 2022–23 में चयन की प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान करीब 450 से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन कर लिया गया।

मामले का खुलासा होने पर जांच शुरू हो गई। इसके अलावा अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि उनके दस्तावेजों में गड़बड़ी बताकर रुपये मांगे जा रहे हैं। इस दौरान कुछ रेलकर्मियों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किया गया। टीम शाम को ट्रेन से दिल्ली रवाना हो गई। वर्ष 2018 में सहायक लोको पायलट की भर्ती निकाली गई थी।

मानसिक मंदित महिला से किया था दुष्कर्म, पुलिस की आरोपियों से मुठभेड़- एक के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

गोरखपुर (संवाददाता)। बेलघाट थाना क्षेत्र के एक गांव की 55 वर्षीय मानसिक मंदित महिला से सामूहिक दुष्कर्म मामले के तीनों आरोपियों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। दो आरोपियों सोनू उर्फ गप्पा, मो. रज्जा उर्फ बबलू को सुबह, जबकि तीसरे आरोपी शफीक खान उर्फ गोलू को देर रात गौरीगंज रोड पर मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। शफीक के पैर में गोली लगी है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बेलघाट क्षेत्र में बुधवार शाम को मानसिक मंदित अधेड महिला गांव के बाहर नदी की तरफ जा रही थी। उसे अकेला देखकर सोनू उर्फ गप्पा, मो. रज्जा उर्फ बबलू और शफीक खान उर्फ गोलू उसे सुनसान स्थान की ओर खींच ले गए और दुष्कर्म किया। महिला की चीख सुनकर दूसरी महिलाएं पहुंचीं तो आरोपी भाग गए। वे पीड़िता को अपने घर ले गई और उसके पति को सूचना दी। बृहस्पतिवार को पीड़िता के पति की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी बीच शुक्रवार सुबह दो आरोपियों सोनू और मो रज्जा को गिरफ्तार कर लिया। देर रात खबर लगी कि तीसरा आरोपी शफीक गांव छोड़कर भाग रहा है। इसके बाद पुलिस ने गौरीगंज रोड पर सघन जांच शुरू कर दी। इसी दौरान शफीक वहां से पैदल गुजरता दिखा। पुलिस को देख शफीक ने फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में बेलघाट एसओ विकास नाथ ने पैर में गोली मारकर शफीक को दबोच लिया। उसके पास से पुलिस ने एक तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। घायल शफीक को सीएचसी बेलघाट में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा है। दो आरोपियों सोनू उर्फ गप्पा, मो. रज्जा उर्फ बबलू को सुबह, जबकि तीसरे आरोपी शफीक खान उर्फ गोलू को देर रात गौरीगंज रोड पर मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। शफीक के पैर में गोली लगी है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बेलघाट क्षेत्र में बुधवार शाम को मानसिक मंदित अधेड महिला गांव के बाहर नदी की तरफ जा रही थी। उसे अकेला देखकर सोनू उर्फ गप्पा, मो. रज्जा उर्फ बबलू और शफीक खान उर्फ गोलू उसे सुनसान स्थान की ओर खींच ले गए और दुष्कर्म किया। महिला की चीख सुनकर दूसरी महिलाएं पहुंचीं तो आरोपी भाग गए। वे पीड़िता को अपने घर ले गई और उसके पति को सूचना दी। बृहस्पतिवार को पीड़िता के पति की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

इसी बीच शुक्रवार सुबह दो आरोपियों सोनू और मो रज्जा को गिरफ्तार कर लिया। देर रात खबर लगी कि तीसरा आरोपी शफीक गांव छोड़कर भाग रहा है। इसके बाद पुलिस ने गौरीगंज रोड पर सघन जांच शुरू कर दी।

वायुसेना में चयनित युवाओं को किया सम्मानित

सीतापुर (संवाददाता)। ठाकुर परशुराम इंटर कॉलेज के मैदान में शुक्रवार को पुलिस व एयरफोर्स में चयनित युवाओं और युवतियों को सम्मानित किया गया। आयोजक सुधीर चौहान ने नवचयनित युवक और युवतियों का माल्यार्पण किया तथा उनको मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कहा कि वर्दी पर दाग न लगने देना। ईमानदारी से देशसेवा करते हुए कर्तव्यों का पालन करना। कार्यक्रम में 10 युवाओं और तीन युवतियों को सम्मानित किया गया। भाजपा जिला महामंत्री रोहित सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर दीपू गुप्ता, सुरेंद्र विक्रम सिंह, बिजेंद्र सिंह, अवधेश सिंह, इंडिया सिंह, रितेश सिंह सहित काफी लोग मौजूद रहे।

ताइक्वांडो टीम के द्वारा खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

उतरौला बलरामपुर 10 स्वर्ण 16 रजत तथा 4 कांस्य पदक अर्जित करने पर बलरामपुर ताइक्वांडो टीम के द्वारा खिलाड़ियों का भव्य

सम्मान समारोह आयो जित किया गया ।विदित हो कि बलरामपुर ताइ क्वांडो संघ के द्वारा भारतीय ताइक्वांडो मास्टर्स यूनियन केतत्वा धान में नॉर्थ जोन ताइ क्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 1जून से लेकर 3 जून तक शारदा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया गया। उक्त प्रतियो गिता में बलरामपुर सहि त वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर,अम्बेडकरनगर सुल्तानपुर, सिद्धार्थ नगर,मेरठ, तथा श्रा बस्ती जनपद की टीमों ने प्रतिभा किया। उक्त प्रतियोगिता में जनपद बलरामपुर ओवरऑल चौंपियन रही, तथा दूसरे नम्बर पर सिद्धार्थ नगर की टीम ने बाजी मारी।

उक्त प्रतियोगिता के बल रामपुर के प्रतिभागियों के द्वारा अर्जित उपल ब्धि तथा पदक अर्जित करने पर बलरामपुर ताइक्वांडो संघ के द्वारा पहलवारा, श्याम विहार कॉलोनी स्थित ताइक्वां डो इंडोर ट्रेनिंग हाल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

बलरामपुर ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष डॉक्टर प्रांजल त्रिपाठी, उपाध्यक्ष डॉक्टर अब्दुल कय्यूम, आलोक कुमार श्रीवास्तव, तथा पूर्व उपाध्यक्ष पराग बोस ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन कर उनको सम्मा नित किया, इस अवसर पर टीम के कोच कृष्ण कुमार पाल, को भी सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के अव सर पर भारी संख्या में अभिभावक एवं वरिष्ठ खिलाड़ी ताइक्वांडो उपस्थित रहे, प्रतियो गिता के पदक विजेता खिलाड़ी इस प्रकार है

श्लोक कश्यप– स्वर्ण पदक अर्णव यादव स्वर्ण पदक अंश गुप्ता स्वर्ण पदक अध्यात्म पाल, स्वर्ण पदक मह ताब आलम स्वर्ण पदक

अमोल भाई पटेल स्वर्ण पदक आयुष भाई पटेल स्वर्ण पदक रामेष्ठ श्री वास्तव स्वर्ण पदकसचि कश्यप स्वर्ण पदक सानिया खान स्वर्ण पदक यहवी पाहवा रजत पदक युग पहवा रजत पदक हरिओम कश्यप रजत पदक

जितेन्द्र सिंह रजत पदक श्रीश श्रीवास्तव रजत पदक अखण्ड प्रताप सिंह रजत पदक

वैभव प्रताप सिंह रजत पदक साक्षी सिद्धार्थ रजत पदक प्रांजलगुप्ता रजत पदक ऋषिका महेश्वरी रजत पदक

आदर्श कुमार मौर्य रजत पदक अनमोल कुमार मौर्य रजत पदक

सम्यक राजकमल रजत पदकराघवेन्द्र यादव को रजत पदक अली अस गर को रजत पदक

शिवाय मिश्रा को रजत पदक तनिष्का श्रीवास्त व कांस्य पदक अमर सील कांस्य पदक

आर्य वीर सिंह कांस्य पदक वेदांग सिंह कांस्य पदक।

बाल विकास परियोजना कार्यालय गिलौला पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री इकट्ठा हुई

देवीपाटन मंडल ब्यूरो अरविंद शुक्ला

श्रावस्ती

गिलौला ब्लॉक सभागार में बाल विकास परियोजना गिलौला के अधिकारी सीडीपीओ श्यामू सिंह द्वारा छुट्टी के दिन भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से फीडिंग नया वर्जन करने को सीडीपीओ द्वारा कहा गया जिसपर आंगनबाड़ी कार्यकत्री आक्रोश में आकर ब्लॉक के प्रांगण में इकट्ठा हो गयी और विभाग के खिलाफ नारेबाजी करने लगी आंगनबाड़ी संघ की जिला अध्यक्ष माया जायसवाल से जब इस बारे में जानकारी प्राप्त की गई तो मालूम हुआ कि सीडीपीओ श्यामू सिंह द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से नया वर्जन फीडिंग करने की बात कही गयी जिसपर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा बताया गया कि श्रावस्ती में नेटवर्क की समस्या बनी रहती है और जो विभाग द्वारा मोबाइल 2018 में हम लोगों को दी गयी थी उससे कार्य करने में काफी समस्याएं होती है हम लोगों के पास इतना पैसा नहीं कि 20000की मोबाइल लेकर कार्य करें जिसपर आक्रोशित होकर सीडीपीओ ने जिला अधिकारी को लिखने की बात की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आरोप है कि हम सभी पर नए काम थोपे जा रहे हैंजबकि जो कार्य हम लोग करते है उसका मानदेय भी कई महीने बीत जाते हैं नहीं मिल पाता है आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का कहना है कि जो हम लोग कार्य करते हैं कई महीने बीत जाते हैं सीडीपीओ द्वारा हम सबको वेतनमान मिलने की अनुमति भी नहीं दी जाती है इस आंदोलन के दौरान जब जिला अध्यक्ष माया जायसवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हम लोग मंगलवार को जिला मुख्यालय भिनगा में अपनी समस्याओं को लेकर एक धरना प्रदर्शन करेंगे अगर हम सबकी मांगे पूरी नहीं हुई तो प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में हम लोग एक बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे इस दौरान संगठन की जिला अध्यक्ष माया जायसवाल आंगनबाड़ी कान्ती सिंह पानकली सहित विकासखंड गिलौला की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका उपस्थिति रही

जिलाधिकारी ने की टैबलेटध्स्मार्टफोन वितरण की समीक्षा

जिलाधिकारी ने सभी पात्र लाभार्थियों को समय से टैबलेटध स्मार्टफोन वितरित करने के दिये निर्देश

श्रावस्ती, 14 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना डिजीशक्ति के तहत टैबलेट व स्मार्टफोन वितरण की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों, आईटीआई और पॉलिटेक्निक, कौशल विकास केंद्र के प्राचार्यध्नोडल अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी संस्थानों को तत्काल सभी पात्र छात्रध छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिन संस्थानों ने अभी तक छात्रध्छात्राओं की ई–केवाईसी नहीं कराई है, उन्हें तुरंत यह प्रक्रिया पूरी करने हेतु निर्देशित किया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए यह योजना चला रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी के स्तर पर सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से इसकी नियमित समीक्षा की जाती है। उन्होंने सभी संस्थानों को छात्रध छात्राओं से संपर्क कर ई–केवाईसी कराने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि शेष सभी उपकरणों का वितरण 20 जून, 2025 तक पूरा कर जल्द से जल्द छात्रों को टैबलेट वितरित किए जाएं। बैठक में ज्ञात हुआ कि अबतक कुल 10971 टैबलेट व स्मार्टफोन का वितरण किया जा चुका है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्यगण उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के तहत कल से ''योग सप्ताह'' का होगा शुभारम्भ-मुख्य विकास अधिकारी

श्रावस्ती, 14 जून, 2025। सू0वि0। मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने बताया है कि 21 जून को आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के तहत कल दिनांक 15 जून, 2025 को योग सप्ताह का शुभारम्भ किया जाएगा। जिसके तहत प्रातः 05.30 बजे जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अगुवाई में समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों व स्कूली बच्चों द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से पदयात्रा निकाली जायेगी, जो स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा तक जाएगी। प्रातः 06.30 बजे माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर योग सप्ताह का शुभारम्भ किया जाएगा। उन्होने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास खण्ड मुख्यालय व ग्राम पंचायतों में निर्धारित समय पर योग कार्यक्रम कराना सुनिश्चित करेंगे तथा फोटाग्राफ्स ीजजचरूध्पलक2025–बवउ, उलहवअ–पद, ीजजचरूध्लवहं.लनी.हवअ.पदध्लवहं–ेंदहंउ एवं आयुष कवच पर प्रेषित करेंगे।

माफिया सुधीर सिंह ने लखनऊ कोर्ट में किया सरेंडर

लखनऊ (संवाददाता)। गोरखपुर के माफिया सुधीर सिंह ने शुक्रवार को राजधानी के कस्टम कोर्ट में सरेंडर कर दिया। आरोपी ने गाजीपुर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में आत्मसमर्पण किया। सुधीर को जानलेवा हमले के मामले में गोरखपुर पुलिस तलाश रही थी। इससे पहले कि पुलिस उसे गिरफ्तार करती, सुधीर ने चकमा दे दिया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है। सुधीर सिंह ने गत 27 मई की रात में गोरखपुर के खजनी इलाके में एक व्यापारी पर जानलेवा हमला किया था। इस मामले में उस पर जान से मारने के प्रयास की एफआईआर दर्ज की गई थी। सुधीर ने एक दावत के दौरान बेलीपार के भौवापार निवासी अंकुर शाही पर रॉड से वार किया था। हमले में अंकुर बाल–बाल बच गए थे। बताया जा रहा है कि इसके पहले भी सुधीर ने कई बार पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में समर्पण किया है। सुधीर और अंकुर पहले साथ में काम करते थे। हालांकि, किसी बात को लेकर दोनों में अनबन हो गई थी।

लोकतंत्र सेनानी चौधरी इरशाद अहमद गद्दी

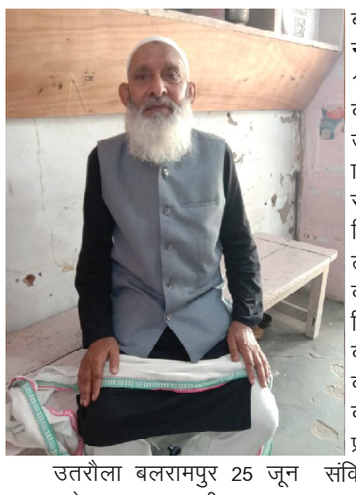

उतरौला बलरामपुर 25 जून 1975 को लागू हुए राष्ट्रीय आपात काल के समय भारतीय लोक तंत्र रक्षा करने वाले उत्तर प्रदेश के लोक तंत्र सेनानियों के सम्मान में वृध्दि किए जाने की मांग को लेकर लोकतंत्र सेनानी चौधरी इरशाद अहमद गद्दी ने मुख्य मंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी उतरौला राजेन्द्र बहादुर को सौंपा। दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि 25 जून 1975 को तत्कालीन केन्द्र सरकार के द्वारा अपनी सत्ता को बचाए जाने हेतु भारती य संविधान केप्राविधानों का दुरूपयोग करते हुए राष्ट्रीय आपात काल को लागू किया गया था ।तदु परांत भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या करते हुए व्यापकपैमाने पर विरोधी नेताओं और आम लोगों कोगिरफ्तार किया गया था। तथा व्यापक रूप से जेलों में बन्द कर कठोरयातनाएं दी गई थीं। इस प्रकार से देश के लोकतंत्र एवं संविधान का पूर्ण रूप से हत्या करने का कार्य किया गया था। भारत सरकार के द्वारा विगत जुलाई 2024 को प्रति वर्ष 24 जून को काला दिवस को संविधान हत्या दिवस के रूप मे मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इरशाद अहमद गद्दी ने मांग की है कि आगामी 25 जून 2025 को प्रस्तावित प्रथम संविधान हत्या दिवस को व्यापक पैमा ने पर आयोजित किया जाए, एवं आम जन मानस को आपात काल के क्रूरता से अवगत कराया जाए। और प्रदेश के जनपद स्तर पर समस्त जनपद मुख्यालय के कलेक्ट्रेट सभागार एवं विकास भवन के सभागार में प्रदेश स्तर पर विधान भवन में 25 जून को कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय संविधान एवं भारतीय लोकतंत्र के रक्षक लोकतंत्र सेनानि यों को सम्मानित किया जाए। वर्तमान समय में लोकतंत्र सेनानीयों को राज्य सरकार के द्वारा 20,000 की सम्मान धन राशि दी जाती है। जबकि अन्य राज्यों में 30 से चालीस हजार रुपये दी जाती है। इस सम्मान राशि में वृद्धि हेतु विधान परिषद में भी विगत वर्ष मांग की गई थी। किन्तु दुर्भाग्य वश किन्हीं कारण वश अन्तिम रूप से पारित नहीं हो सका। लोकतंत्र सेनानी ने सम्मान धन राशि में वृद्धि करते हुए न्यूनतम 25000 रूपये किए जाने की मांग की गई है।

तालाब की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने सम्पूर्ण थाना दिवस पर उपजिलाधिकारी उतरौला से लगाई न्याय की गुहार।

उतरौला बलरामपुर

तालाब की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने सम्पूर्ण थाना दिवस के अवसर पर उठाई आवाज उपजिला धिकारी उतरौला ने त्वरित जांच कर कार्य वाही कराने के लिए दिया आश्वासन

थाना सादुल्लाह नगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मददौ घाट के ग्रामीणों ने गांव के तालाब की भूमि पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को लेकर सम्पूर्ण थाना दिवस पर प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता धर्मेन्द्र कुमार, अयोध्या प्रसाद, संजय कुमार महमूद अली,बृजलाल,छेदीलाल, राजमन, दाता राम राजेन्द्र प्रसाद, तुलाराम सहित तमाम ग्रामीणों ने बताया कि गाटा संख्या 184 तालाब की सार्व जनिक भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा कर रहे हैं। इसके चलते जल–संरक्षण व्यवस्था और पर्यावरणीय सन्तुलन पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को लेकर चिंतित हैंग्रामीणों के अनुसार गांव के ही प्रभाव शालीअनोखूराम ने तालाब की परम्परा गत जल ग्रहण क्षेत्र में ढांचे खड़े कर लिए हैं। इससे बारिश का पानी तालाब तक पहुँचने की प्राकृतिक निकासी अव रुद्ध हो रहा है, जिससे आने वाले मानसून में जल–भराव और जल निकासी की संकट दोनों की आशंका बनी हुई है। मामले पर उपजिला धिकारी उतरौला ने बताया कि तालाब ग्रामीणों की साझा विरा सत है। हमें शिकायत प्राप्त हुई है, जिस पर राजस्व टीम को निर्दे शित कर दिया गया है कि 48 घंटे के भीतर मौके पर पत्थर गिरी भू–अधिकार सत्यापन व सीमांकन कर अति क्रमण की स्थिति स्पष्ट करे। अवैध निर्माण पाए जाने पर सम्बन्धित धाराओं में तत्काल हटाने की कार्यवाही करके और दोषियों से क्षति पूर्ति वसूली भी की जाएगी।एस डी एम ने यह भी कहा कि पर्यावरणीय दृष्टि से तालाबों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी तरह की लापरवाही पर संबन्धित अधिकारियों की जिम्मे दारी तय की जाएगी। राजस्व व पुलिस संयुक्त टीम कल सुबह स्थल पर जाकर निरीक्षण करेगी। सीमांकन के आधार पर अवैध ढांचों को चिह्नित कर नोटिस जारी किया जाएगा।

विश्व रक्तदाता दिवस पर जनपद श्रावस्ती में भव्य रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया

जिला संवाददाता श्रावस्ती रवि नन्दन शुक्ला की रिपोर्ट '

श्रावस्ती। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को जनपद श्रावस्ती में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य रक्तदान शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

CHC गिलौला में कार्यक्रम का शुभारंभ ब्द अधीक्षक डॉ. दीपक शुक्ला के द्वारा किया गया जहां पर उन्होंने अपने संबोधन में अधीक्षक महोदय ने कहा कि रक्तदान न केवल मानवता की सबसे बड़ी सेवा है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान करने की अपील की।

वहीं जिला अस्पताल भिनगा परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में सौ से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। एनएसएस स्वयंसेवक, पुलिसकर्मी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं आम नागरिकों ने रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में योगदान दिया।

कार्यक्रम में कई बार रक्तदान कर चुके नियमित दाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही शहर में एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें स्कूली बच्चों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ष्रक्तदान दृ जीवनदानष् ष्एक बूंद खून किसी की जिंदगीष् जैसे नारों के साथ लोगों को प्रेरित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना है ताकि जरूरतमंदों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन और ष्रक्तदान महादान है की प्रतिज्ञा के साथ किया गया।

राम मंदिर निर्माण पर अब तक १६२१ करोड़ का खर्च, अप्रैल २०२६ तक ही पूरा हो पाएगा मंदिर

लखनऊ (संवाददाता)। राम मंदिर को दिव्य–भव्य बनाने में अब तक 1621 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्तीय सत्र 2024–25 में मंदिर निर्माण समेत अन्य योजनाओं पर 652 करोड़ का खर्च आया है। सात जून को मणिराम दास की छावनी में हुई ट्रस्ट की बैठक में आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया था। इसमें मंदिर निर्माण पर हुए खर्च का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र, सप्त मंडपम, पुष्करणी का भी निर्माण कार्य पूरा है, अब केवल फिनिशिंग चल रही है। राम मंदिर के चारों ओर आयताकार परकोटा बन रहा है। इसके निर्माण का अभी 20 फीसदी काम बाकी है। इसी तरह शेषावतार मंदिर का भी करीब 20 फीसदी निर्माण कार्य शेष है। मंदिर निर्माण की शुरुआत पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने की थी। पिछले साढ़े चार सालों में मंदिर निर्माण पर करीब 1200 करोड़ व अन्य योजनाओं पर 400 करोड़ से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। मंदिर परिसर में अभी दक्षिण दिशा में प्रवेश द्वार का निर्माण चल रहा है। इसके बाद गेट नंबर तीन पर द्वार का निर्माण होगा। दक्षिण दिशा में ही संग्रहालय, विश्रामालय व ट्रस्ट कार्यालय भवन का भी निर्माण किया जाना है। इसके अलावा सरयू तट स्थित रामकथा संग्रहालय के सुंदरीकरण का काम लगातार जारी है। इन सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने की समय सीमा अप्रैल 2026 तय की गई है। मंदिर समेत परिसर में निर्माणाधीन अन्य प्रकल्पों के निर्माण में कुल दो हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान राम मंदिर ट्रस्ट ने लगाया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने मार्च से मई के बीच तीन माह में कुल 10, 433 वर्ग फीट जमीन एक करोड़ 55 लाख 40 हजार 800 रुपये में खरीदी है। बाग बिजेसी में कुल 3060 स्क्वायर फीट जमीन 47 लाख 20 हजार 800 रुपये में खरीदी गई है। बाग बिजेसी में ही विश्व मोहिनी से 6691 वर्ग फीट जमीन 98 लाख 20 हजार 800 रुपये में ट्रस्ट ने खरीदा है। इसके अलावा कोट रामचंद्र में 68ध्74 वर्ग फीट जमीन 10 लाख में खरीदी गई है। वित्तीय सत्र 2024–25 में मंदिर निर्माण समेत अन्य योजनाओं पर 652 करोड़ का खर्च आया है। सात जून को मणिराम दास की छावनी में हुई ट्रस्ट की बैठक में आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया था।

इसमें मंदिर निर्माण पर हुए खर्च का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र, सप्त मंडपम, पुष्करणी का भी निर्माण कार्य पूरा है, अब केवल फिनिशिंग चल रही है।

मोहम्मद वैसे शाह धानेपुर बाजार से ग्यारह दिन हो गए गायब है अभी तक इनका कोई पता नहीं चल सका।

उतरौला बलरामपुर विगत दिनों 03ध06ध2025 को लगभग 11 बजे मोहम्मद वैसे शाह अपने पत्नी के साथ साली से मिलने के लिए धानेपुर बाजार गये थे,उसी दिन उसकी पत्नी जन्नतुन रात्रि लगभग 10 बजे अपने घर रमवापुर कला वापस चली आई। जब सुबह हुआ तो घर वालों ने पूछा,तो जन्नतुन ने कहा कि वह नहीं आए हैं। एक दो दिन बीतने के बाद मोहम्मद वैस शाह के घर वालो ने तलाश करना शुरू कर दिया काफी तलाश करने के बाद जब नही मिले, तो थाना धानेपुर में गुमशुदगी की सूचना थाने पर दी गई पुलिस ने गुमशुदगी का एफ आई आर दर्ज कर ली है। जब थाना प्रभारी से पूछने पर बताया कि गुमशुदगी का एफ आई आर दर्ज कर ली गई। मोहम्मद वैस शाह के मिलते ही घर वालो को सूचित कर दिया जाएगा।

बिजली की कटौती से नाराज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने आन्दोलन करने की दी चेतावनी।

उतरौला बलरामपुर बिजली की कटौती को लेकर आम जनमानस को काफी परेशान कर दिया है। नगर में जहां दस से बारह घंटे की कटौती ट्रिपिंग के बीच की जा रही है। वहीं ग्रामीण इलाकों में अठारह से बीस घंटे तक बिजली गुल रहती है। भीषण गर्मी में बिज ली की कटौती को लेकर दैनिक दिनचर्या पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है वहीं अवर्षा के चलते धान के नर्सरी की सिचा ई भी बाधित हो रही है। बिजली के संकट पर शासन प्रशासन व जन प्रतिनिधियों का ध्यान नही जा रहा है। बिजली के संकट से तंग आकर बार एशोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा, कि यदि सोमवार तक बिजली की आपूर्ति तय शुदा रोस्टर के अनु रूप नहीं की गई, तो अधिवक्ता संघ जनता के हित की लड़ाई लड़ने के लिए सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगा। अध्यक्ष ने बताया कि पिछले एकपखवाड़े से नगर व ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बुरी तरह से बे पटरी होचुकी है। दिन में चार घंटे भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है और रात्रि में बिजली के आने जाने का कोई पता नहीं रहता अगर स्थित में सुधार नही हुआ, तो सोमवार को अधिवक्ता संघ व्यापक जन आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में थाना गैडास बुजुर्ग में थाना समाधान दिवस सम्पन्न हुआ।

उतरौला बलरामपुर शनिवार को थाना गैडास बुजुर्ग के प्रांगण में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी पवन कुमार अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार बलराम पुर की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी बलराम पुर ने जनमानस की शिकायतों एवं समस्या ओं को सुना, एवं उनके समयबद्ध व गुणवत्ता पूर्ण रूप से निस्तारण करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी के मातहतों को दिया। उन्होंने भूमि विवाद एवं लॉ एण्ड ऑर्डर की दृष्टि से संवे दन शील मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा मौके पर जाकर निरीक्षण करने के उपरान्त निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा न हो यह राजस्व कर्मी स्वयं सुनि श्चित करेंगें। उन्होंने पैमा ईश के सम्बन्ध में भी आवश्यक दिशानिर्देश दे। इस दौरान अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहें।

ज्योति कलश यात्रा रथ का दूसरे दिन हुआ भव्य स्वागत

वाराणसी राजेश सेठ

आज को गायत्री तीर्थ शान्तिकुन्ज हरिद्वार से आया ज्योति कलश यात्रा रथ दूसरे दिन सारंग महादेव सारनाथ के प्रांगण से अपनी आगे की जनजागरण यात्रा शुरू किया । स्थानीय मार्गदर्शक जिला युवा समन्वयक विद्याधर मिश्र के मार्गदर्शन में अखण्ड ज्योति एवं माता भगवती देवी के जन्म शताब्दी समारोह एवं युग ऋषि के विचारों से जन जन को अवगत कराने हेतु सोना तालाब, अशोक नगर, गणपत नगर, पहड़िया, आवास विकास कालोनी, प्रेमचंद नगर, भक्ति नगर एवं पांडेयपुर पहुंचा जहां गायत्री साधकों संग क्षेत्रीय लोगों ने ज्योति कलश का भव्य आरती उतारने के साथ माल्यार्पण किया। ज्योति कलश रथ यात्रा के संचालन में गंगाधर उपाध्याय, विद्याधर मिश्र,अवधेश गुप्ता, राम अवध यादव, आर के सिंह, हरिशंकर सिंह, बलराम यादव, घनश्याम राम, अवधेश सिंह, शशिकला गुप्ता, उमा कुशवाहा, भावना सिंह, मुन्नी चौरसिया ने सहयोग किया।

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना पर मिसेज एशिया विजयता सचदेवा जी ने जताया दुख

वाराणसी राजेश सेठ

वाराणसी। अहमदाबाद में उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से इसमें सवार क्रू मेंबर सहित यात्रियों के काल कवलित होने से पूरा देश जब स्तबंधा है।। हर तरफ मातम सा छाया है आंखें नाम है। पूरा देश इस हादसे के शिकार हुए लोगों के परिजनों के साथ खड़ा हैं और दुख जाता रहा हैं। मिसेज एशिया विजसता सचदेवा ने भी इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना के दुखद समाचार से मैं बहुत स्तब्ध और व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएं सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं जो अकल्पनीय दर्द और क्षति को सहन कर रहे हैं। ऐसे क्षणों में, शब्द बहुत अपर्याप्त लगते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि प्रभावित लोगों को शक्ति, साहस और समर्थन मिलेगा। इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।"

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हब्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।